पेज - ① किसलय पटेल (हिन्दी विभाग)
B.A - II वैशाली महिला कॉलेज, हाजीपुर
दिनांक - 28.05.2020

(अजातशत्रु - जयशंकर प्रसाद)

प्रश्न - मागन्धी का चरित्र चित्रण कीजिए।

उत्तर - मागन्धी एक विकारग्रस्त, वासना-पूर्ण और अनियंत्रित वृत्ति की दरिद्र कन्या है। उसके पास अपरिमित रूप - राशि एवं आकर्षण है। वह संसार के बाजार में रूप को बेचना चाहती है पर कोई मोल - तोल करने वाला नहीं। 'मधुकरी की झोली फैलानेवाले गौतम ने भी जब पाणि-ग्रहण न कर उस रूप का तिरस्कार किया तो रूपगर्विता की प्रतिहिंसा पद मर्दित सर्पिणी की भाँति फुफकार उठी।'

अंत में वह उदयन के हृदय की रानी बनी, फिर भी वह ज्वाला न गई, यहाँ रूप-

पेज - ②
गौरव हुआ तो चैन के अभाव से दरिद्र - कन्या होने के अपमान की यंत्रणा में, वह पिस गई। यहां भी उसे शांति नहीं, चैन नहीं। वह गौतम से प्रतिशोध लेना चाहती है और यह निश्चय करती है — 'दिखला दूंगी कि स्त्रियां क्या कर सकती हैं?' इसी भावना से प्रेरित होकर वह षडयंत्र रचती है, जिसके कारण 'उसे कई घाटों का पानी पीना पड़ा है।' 'सुन्दरी स्त्रियां भी संसार में अपना अस्तित्व रखती हैं', इसी दंभ को लेकर वह कपटा-चरण करती है। वह अपनी दासी नवीना को साथ लेकर पद्मावती के प्रति राजा उदयन के हृदय में शंका का बीज - वपन करती है और पूर्व - निश्चित षडयंत्र के अनुसार पद्मावती के महल से

Scanned with CamScanner

मँगाई हुई हस्तिरकान्त वीणा से साँप का बच्चा निकलवाकर यह प्रमाणित करती है कि पद्मावती और गौतम में अनुचित संबंध है। इतना ही नहीं, पद्मावती गौतम को चाहती है और उनका उपदेश सुनने के बहाने उन्हें अपने महल में बुलाना चाहती है।

मागन्धी उदयन का हृदय पद्मावती की ओर से फेर देती है। उदयन उसे दंड देने का निश्चय करता है और मागन्धी अपने कार्य में अल्प-काल के लिए सफल होती है कुछ समय के लिए मागन्धी का छल काम कर जाता है, पर सौभाग्य से षड्यंत्र का उद्घाटन हो जाता है और वह विहारकक्ष में आग लगाकर भाग जाती है।